मंगल संपर्क

Mangalayatan University
E-News Letter by
PR Unit

2019

यज्ञ पथ से विश्व शांति की ओर

216 कुंडीय श्री भगवान विष्णु महायज्ञ हुआ

प्रकृति मनुष्य को सदैव से शांति का सन्देश देती रही है। पूर्व कालों से हमारे यहां ऋषि मुनि शांति स्थापना के लिए यज्ञ को साधन के रूप में अपनाते आ रहे हैं। विष्णु महायज्ञ विशेषतया शांति स्थापना के लिए किया जाता है। परिवर्तन के युग में इस धरा पर और समाज में शांति की महती आवश्यकता है, इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु मंगलायतन विश्वविद्यालय में द्वितीय 216कुंडीय श्री भगवान विष्णु महायज्ञ का आयोजन किया गया। महायज्ञ मंत्रोच्चार व पूर्णाहूति के साथ स्वामी ऋषिराज महाराज के सानिध्य में गोपेश्वर देव महाराज ने सम्पन्न कराया। यज्ञ में लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। यज्ञ के दौरान पैराग्लाइडर से पुष्प वर्षा भी की गई।

विश्वविद्यालय में 12नवम्बर, मंगलवार को द्वितीय 216कुंडीय श्री भगवान विष्णु महायज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमें में चेयरमैन हेमंत गोयल सहित विश्वविद्यालय परिवार ने पूरे विधिविधान से पूजा की। चेयरमैन हेमंत गोयल ने कहा कि भारत की वैदिक संस्कृति के अंदर वेदो का बड़ा महत्व रहा है। इस यज्ञ आयोजन विवि ही नहीं पूरे क्षेत्र और देश की प्रगति, शांति के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि यहां विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा के साथ संस्कार भी मिलते रहे हैं, यह मंगलायतन विवि की नीति रही है। जिसे बरक़रार रखा जाएगा। महायज्ञ में हाथरस, मथुरा, अलीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया।

कार्यक्रम में विवि बोर्ड के सदस्य विकास त्रिपाठी, कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, कुलसचिव प्रो. शिवाजी सरकार, डायरेक्टर जनरल डॉ. एके मिश्रा, वित्त अधिकारी अतुल गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, परीक्षा नियंत्रक डॉ. दिनेश शर्मा, प्रो. आरके शर्मा, डॉ. अंकुर अग्रवाल, महेश कुमार, डॉ.दिनेश पांडे, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ.वाई.पी. सिंह, डॉ. सिद्धार्थ जैन, डॉ. पूनम रानी आदि शिक्षकों व छात्रों ने यज्ञ कार्य में सराहनीय भूमिका निभाई।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में 216 कुंडीय श्री भगवान विष्णु महायज्ञ में आहुति देते चेयरमैन हेमंत गोयल

प्रसादी वितरित करते स्वामी ऋषिराज महाराज

महायज्ञ संपन्न कराते स्वामी ऋषिराज महाराज

संकीर्तन का आनंद लेते विवि के अधिकारी व विद्यार्थी

कृष्ण भजन में झूमा मंगलायतन परिवार

मंगलायतन विश्वविद्यालय के सभागार में सोमवार को इस्कॉन मन्दिर, वृन्दावन की मंडली द्वारा एक कार्यक्रम किया गया। जिसमें उन्होंने संकीर्तन किया व श्री कृष्ण से जुड़ी शिक्षाप्रद एवं छात्रों के जीवन में प्रगति हेतु कर्मसिद्धान्त से जुडी बातें बताई। जिन्हें जीवन में अपना कर हम सफलता के मार्ग पर चल सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन जेस्टक्रिस्ट और एमयूएससी के तत्वावधान में हुआ।

संकीर्तन ने सभी का दिल जीत लिया और सभागार के भक्तिमय माहौल में शिक्षक व विद्यार्थी भी घुल मिल गए। सभी ने मंडली का साथ दिया। इस्कॉन मन्दिर, वृन्दावन से आए राज विद्या दास ने बताया कि इस्कॉन का उद्देश श्रीमद्भागवत गीता की शिक्षाएं लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि भारत में इसका उनके करीब ढाई सौ सेंटर हैं वह पूरी दुनिया में इस्कॉन के 800से अधिक सेंटर है। उन्होंने बताया संस्थान से लगभग सभी देश जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज के समय में तनाव हिंसा और मादक पदार्थों का सेवन बढ़ गया है, जिसे श्रीमद्भागवत गीता के माध्यम से वह लोगों से दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद महाराज जी थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सिद्धार्थ जैन रहे व समन्वयन लीना द्वा ने किया। संचालन पर्णिका विश्नोई व मनजीत सिंह ने किया।

कीर्तन मंडली में राज विद्या दास, आत्मानंद प्रभु, आचार्य हरीदास दास, कृष्णा दास, अभिषेक दास व संगीत प्रिया राधा देवी दासी ने कृष्ण भजन गाए। कार्यक्रम का आनंद मंगलायतन विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल डॉ. एके मिश्रा, प्रो. जयंती लाल जैन, प्रो. आरके शर्मा, गोपाल राजपूत, सोनी सिंह, मनीषा उपाध्याय, आशीष जैन, मयंक जैन आदि ने लिया।

संकीर्तन करती इस्कॉन मन्दिर, वृन्दावन से आई मंडली

आसमा अवार्ड

विश्वविद्यालय को आसमा अवार्ड

मंगलायतन विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित अवार्ड आसमा प्रदान किया गया है। मुंबई में आयोजित एक समारोह में देश के प्रतिष्ठित डिजिटल कॉन्क्लेव द्वारा दिया जाने वाला आसमा पुरस्कार विवि के कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने प्राप्त किया। यह अवार्ड विश्वविद्यालय को कन्वेंशन 2019में विशेष प्रदर्शन के लिए दिया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में आकर कुलपति ने सम्मानित अवार्ड को कुलसचिव प्रो. शिवाजी सरकार को सौंप दिया। इस अवसर पर डायरेक्टर जनरल डॉ. एके मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक डॉ .दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, प्रो. जयंतीलाल जैन, प्रो. अली आर फ़तेहि, प्रो. आरके शर्मा, एस.सी शर्मा आदि अन्य शिक्षाविदों ने कुलपति को अवार्ड प्राप्त करने के लिए बधाई दी। सभी ने संकल्पित हो आशा व्यक्त की कि भविष्य में और अधिक अवार्ड विश्वविद्यालय को प्राप्त होंगे।

कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा को आसमा अवार्ड प्रदान करते आयोजक

मंविवि के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रमणी रामरथिनम

विद्यार्थी पढ़ सकेंगे विदेश में

बहुत से विद्यार्थियों का सपना होता है कि वह विदेश में जाकर शिक्षा ग्रहण करें। अब मंगलायतन विश्वविद्यालय के ऐसे विद्यार्थियों का ये सपना साकार होगा। विवि के विद्यार्थियों को अमेरिका में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। मंविवि व यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया, रिवरसाइड, इंटरनेशनल एजुकेशन प्रोग्राम के तहत हुए समझौते में मंविवि के विद्यार्थी वहां जाकर पढ़ाई कर सकेंगे।

MANGALAYATAN UNIVERSITY
Learn Today to Lead Tomorrow

मंविवि के कुलसचिव प्रो.शिवाजी सरकार ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश में रहकर पढ़ना चाहते है, उनके लिए ये बहुत ही सुनहरा अवसर है। फ़िलहाल इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को ये मौका मिलेगा। समझौते के तहत सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा, डिग्री कोर्सों में छात्र पढ़ाई कर सकेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया जॉइंट प्रोग्राम के तहत मंविवि को क्रेडिट ट्रांसफर करेगी। कोर्सों में बिग डेटा टेक्नोलॉजीज, बायो इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, बिज़नेस मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, इवेंट मैनेजमेंट जैसे कई कोर्स शामिल हैं।

जॉइंट रजिस्ट्रार डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि कुलसचिव प्रो. शिवाजी सरकार व यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोनिया, रिवरसाइड के इंटरनेशनल एजुकेशन प्रोग्राम के एसोसिएट डीन डॉ. जीन बेर्नार्ड ऑड्रे ने समझौते पर हस्ताक्षर किए है। समझौता ज्ञापन लेकर डॉ. ऑड्रे के प्रतिनिधि के रूप में रमणी रामरथिनम समझौता ज्ञापन लेकर मंविवि आए जहां उन्होंने विवि के कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, डायरेक्टर जनरल प्रो. एके मिश्रा, कुलसचिव प्रो. शिवाजी सरकार सहित वरिष्ठ शिक्षकों व छात्रों से मुलकात की। समझौते के बाद विवि के वरिष्ठ अधिकारीयों ने सभी को बधाई दी।

Awards/Recognitions Received for Research/Innovations

Academic Year 2018-19			
S.No.	Name of the Award/Recognition	Name of the Awardee	Awarding Agency
1	IMRF Best Scientist Award	Dr. Harit Priyadarshi, DCE	IMRF Institute for Education & Research, Thailand
2	Outstandind Researcher Award	Dr. Harit Priyadarshi, DCE	GreenThinkarZ, Punjab
3	Education Excellance and Research Award	Mangalayatan University	Elets Technomedia Pvt. Ltd., Noida

Medals Awarded to Teachers for Academic Excellence by the University

Academic Year 2018-19				
S.N.	Name of Faculty	Institute/Department	Medal	Date of Award
1	Dr. Yatendra Pal Singh	Institute of Applied Sciences	Gold Medal	05-Sep-19
2	Dr. Poonam Rani	Department of Visual & Performing Arts	Silver Medal	05-Sep-19
3	Dr. Harit Priyadarshi	Department of Civil Engineering	Bronze Medal	05-Sep-19

Awards & Recognition of Teachers 2018-19

Awards & Recognitions of Teachers				
Academic Year 2018-19				
S.No.	Name of Teachers	Institute/Department	Name of the Award/Recognition	Awarding Agency
1	Dr. Harit Priayadarshi	Dept. of Civil Engineering	Distinguished Educator Award	Green ThinkarZ, Punjab
2	Dr. Poonam Rani	Dept. of Visual & Performing Arts	Mathura Sanskriti Kala Samman	Sarjanlok Art Foundation, Mathura
3	Dr. Yatendra Pal Singh	Institute of Applied Sciences	Reviewer of Research Journal Advances in Space Research, Elsevier	Advances in Space Research, Elsevier
4	Dr. Yatendra Pal Singh	Institute of Applied Sciences	Reviewer of the Book Lithium-ion Batteries: Material and Applications	Materials Research Forum, USA
5	Dr. Yatendra Pal Singh	Institute of Applied Sciences	Reviewer of Research Journal Materials Research Innovations	Materials Research Innovations, SCI Journal

The University has also provided Monetary incentive/Letter of Appreciation to the Awardees.

दीपोत्सव - 2019

स्टालों का निरिक्षण व खरीदारी करते विवि के अधिकारी

नृत्यप्रस्तुत करती छात्रा

गाना गाती छात्रा

दीपोत्सव में देखने को मिला विद्यार्थियों के हाथों का कमाल

प्रत्येक कला चाहे वह हस्तकला हो, नृत्य कला हो, गायन कला हो या फिर पाक कला। विभिन्न कलाओं का संगम मंगलायतन विश्वविद्यालय के क्षिप्रा सभागार में देखने को मिला। मौका था दो दिवसीय प्रकाश पर्व दीपोत्सव का। इस अवसर पर विवि के दृश्य एवं कला विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा हस्तनिर्मित आइटमों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। उद्घाटन में रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी छात्र छात्राओं ने दीं।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विवि के विभिन्न विभागों के छात्र छात्राओं जिनमें करिश्मा, रूचि, अनुष्का, कृपा, डॉली आदि ने गीत संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने कहा कि कला के क्षेत्र को जीविका का साधन भी बनाया जा सकता है। उन्होंने इस आयोजन के लिए बधाई दी। कुलसचिव प्रो. शिवाजी सरकार ने न केवल स्टॉलों का अवलोकन किया बल्कि विद्यार्थियों की कला को सराहा। डायरेक्टर जनरल डॉ. एके मिश्रा ने दीपोत्सव के शानदार आयोजन की प्रशंसा की।

प्रदर्शनी में छात्र अभिषेक व उदय ने मनमोहक पेंटिंग, आकांक्षा व मुस्कान ने डिजायनर दीपक, हितिक ने हैंडी क्राफ्ट, साक्षी ने डायरी, मोहिनी ने कार्ड, शिवांश ने मेहंदी, प्रिया ने वॉल हैंगिंग, अनुज, शशांक, प्रदीप, आशीष, श्रष्टि, शिव व रूचि ने खाने पीने के स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर खरीददारों ने जमकर खरीदारी की।

दृश्य एवं कला विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूनम रानी ने सभी अतिथियों को स्टॉलों का भ्रमण कराया। कार्यक्रम की संयोजक दीक्षा यादव रहीं व सह संयोजक विलास पालखे रहे। संचालन माधुरी, मंदाकनी व अनुष्का ने किया। अंजू सरकार व मीना मिश्रा ने भी विद्यार्थियों के हुनर की तारीफ की व सजावट के कई आइटम भी ख़रीदे। इस अवसर पर मानविकी संकाय के डीन प्रो. जयंती लाल जैन, डॉ. दिनेश शर्मा, प्रो. आरके शर्मा, प्रेमलता यादव, मयंक जैन, डॉ. बृजेश शर्मा, डॉ. गौरव गर्ग, नियति शर्मा आदि मौजूद रहे।

ब्रांडिंग में डिजिटल मीडिया की भूमिका अहम: भारत भूषण

हरीश बर्णवाल ने बताई "मीडिया की भाषा" की ख़ूबियाँ

मंगलायतन विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

भारत भूषण

हरीश बर्णवाल

सोशल मीडिया और ऑनलाइन मार्केटिंग के क्षेत्र का विस्तार हुआ है। फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप्प आदि से आप लाखों रुपए कमा सकते हैं। इन साइट्स के माध्यम से हर आम आदमी करोड़पति बन सकता है यदि उसमें कंटेंट को प्रस्तुत करने की समझ हो। मंगलायतन विश्वविद्यालय में "रोल ऑफ़ डिजिटल मीडिया इन ब्रांडिंग' विषय पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला में प्रमुख वक्ता प्रसार भारती (दूरदर्शन) के सलाहकार भारत भूषण ने यह बातें कहीं।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ बिजनेस मैनजमेंट व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ । संयोजक मैनेजमेंट विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव शर्मा ने कार्यशाला की रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि आज के युग में किसी भी क्षेत्र में ब्रांडिंग की बहुत आवश्यकता है और इसमें डिजिटल मीडिया की भूमिका अहम है।

कार्यशाला के प्रथम दिन दो सत्र हुए जिसमें पहले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार हरीश चंद्र बर्णवाल ने मीडिया में अपने संघर्ष की कहानी और अपने अनुभव बांटे। उनकी अभी तक पांच कहानी प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने "मीडिया की भाषा" पर प्रकाश डालते हुए उसका दैनिक जीवन में प्रभाव बताते हुए टीवी की भाषा और उसमे प्रयोग होने वाले शब्दों को समझाया। श्री बर्णवाल ने कहा कि मीडिया की भाषा हर किसी के लिए जरुरी है। उन्होंने समाचार चैनलों की टीआरपी का जिक्र करते हुए कहा कि इन चैनलों को लोग अधिक देखते हैं। अगर आप सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं, तो आप मीडियाकर्मी हैं। हेडलाइंस पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हेडलाइंस का भाव पकड़ना चाहिए। मीडिया की ख़बरें प्रत्येक व्यक्ति के लिए होती है। इसलिए उसकी भाषा का स्वरुप प्रासंगिक होना चाहिए।

प्रसार भारती (दूरदर्शन) के सलाहकार भारत भूषण ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मीडिया में आईडिया, क्रिएटिविटी आपको सफल बना सकते हैं। उन्होंने मीडिया में आए बदलावों पर चर्चा करते हुए कहा कि अखबारों से शुरू हुआ ये सफर टीवी, वेबसाइट, ब्लॉग्स पर होते हुए अब सोशल मीडिया पर आ पहुंचा है। उन्होंने बताया कि डिजिटल मार्केटिंग में काफी सारे विषय आते हैं। डिजिटल मार्केटिंग का मतलब है प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को डिजिटल या इंटरनेट के माध्यम से मार्केट करना है।

कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने इस प्रकार के आयोजनों पर बल दिया। कार्यशाला की सह संयोजक पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की अध्यक्ष मनीषा उपाध्याय रहीं। समन्वयक डॉ. सौरभ कुमार व मयंक जैन रहे । प्रेक्षक डॉ. दिनेश पांडे रहे। संचालन अभिषेक कुशवाह ने किया। अभिषेक गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। आयोजन में डॉ. सिद्धार्थ जैन, डॉ. पूनम रानी, सोनी सिंह, लीना द्वुवा, दीक्षा यादव, डॉ. रंजना, डॉ. स्वाति अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार सतीश कुलश्रेष्ठ, विलास फाल्के, विकास वर्मा, जीतेन्द्र कुमार, विशाल उपाध्याय, रोहित शाक्य, तरुण शर्मा, नरेश कुमार व विद्यार्थी नेहा चौधरी, कृपा अरोड़ा, नेहा ठाकुर, पर्णिका विश्नोई आदि का सहयोग रहा।

Editorial Board

Patron
Prof. KVSM Krishna – Vice Chancellor
Editor:
Prof. Shivaji Sarkar – Dean DJMC / Registrar
Associate Editor:
Ms.Manisha Upadhaya
Chief SubEditor:
Mr. Mayank Kr. Jain
Designing& Photography
Ms. Deeksha Yadav
Mr. Chandrel Kulshrehstha

Advisors:
Dr. A.K. Misra – Director General
Prof. Jayntilal Jain – Dean Humanities
Prof. Arif Suhail – Dean FES
Prof. Ali R. Fateh – Director CAC

Other Assitance:
Ms. Neha Chaudhary, Ms. Ayushi Raizada,
Ms. Kripa Aarora, Mr. Manjeet Singh,
Mr. Rohit Kumar, Ms. Dolly Verma